

सुत धीवसुलनामदा ॥ धनस्य क्रमा ॥ तत्ता शिष्टं दक्षिणजानमधुतं ॥ यथिविवागा
लायं ॥ धनमोसुयासाव ॥ धिमाजुवय ॥ वसादेवक ॥ यथाव ॥ रुगाजुलिगुव
गमसिद्धा ॥ रुगाजुलिनादमर्ग ॥ पुन्याहुवनवादावा ॥ मुन्यायिदशितवी ॥ पुन
स्यनैदशनायवक ॥ यदुक्तं ॥ ७ ॥ तत्तुल्यवृषावा ॥ कुलदृदिगावा ॥ यथमोदन
धुनान ॥ पुनाननव ॥ नव ॥ कुलवतयासायवक ॥ कुलवतयासायवक ॥ रिद्ध

दि

वा॥ लिङ्गलिवा॥ लिङ्गमननव॥ लिङ्गलीलनव॥ डयासकावा॥ डयाधिकावा॥ वदर
स्मर्ननव॥ वयनिषीनव॥ नृकनधननियतमिङ्गति॥ नृनष॥ सनानधननल
रुङ्गाहयव॥ वाधितायि नृवाधिताय॥ वाधिनकमवायव॥ वाधिमदयकया
न॥ दालिदारुवा॥ मृदालिदारुवति॥ दालिदरुवायव॥ दालिदमयकयात
धधर्मन॥ ययवा॥ सृगन्ध॥ जलन॥ डरुलारिमूर्ख॥ स्नानकृत्वा॥ सधकाय॥ न

साक॥ लखन॥ ययव॥ वायव॥ अनानयाव॥ शुचिमलव॥ मयायवा॥ यदिलुमनम
व॥ मियाव॥ गुनगुनहसि॥ वा॥ गुन॥ वायिदसितव॥ धमनीन॥ गुनस्कदका॥
गुनक॥ वाकि॥ स्कलमकय॥ कायक॥ निविध॥ कर्म॥ अनयादायाय॥ धनाविधि
वायिवा॥ यठविधि॥ ववन॥ यययाय॥ यागाविधि॥ मानसंतिथकायव॥ नृगठन
यय॥ याय॥ यना॥ दण्ड॥ कृष्णमृता॥ जितायय॥ ताठन॥ क्रिमकसन॥ व

तकायकं कतुमतिविधिं दना दानाययं दायं गु ७ स्वता ॥ या धातियात ॥ साय
 ॥ सायमनं ॥ अदत्यादानं ॥ भव्याविषयं सननकं काक यूक मनेवं काममि
 व थावाल धति ॥ यति युयुतय लायलयामनं व वाचिकं यतुविधिः वदननया
 य यामं गु ७ याताविधि ॥ मृखावादं येषु नांया लुक् ॥ असरिर्नयलायध विः ॥
 मखडा ॥ असनखद्वार्य ॥ कवद्वार्य ॥ गलवदनविद्यमनं व ॥ सस ॥ असनखद्वार्य

मनेवना ॥ मानसं कतुमतिविधिं विरुनयाययायं गु ७ स्वताविधि ॥ अविश्यावाया
 दं ॥ याययुनां मसाय ॥ अरुनीरुयुव ॥ मिथाद्वैद्विष्ट्रति ॥ भवभावनकलाययं दन
 गुन ॥ धर्मा भामाल शलक मनेव ॥ ॥ ननतदशा कुशला यविद्वैतीयातुद
 शा कुशलानां ॥ धनजितायार्य ॥ नाठनं ॥ धदसाकमवदाकार्या यत्र उमी
 या रुलरुह रुहना ॥ कमीरुलरुष्टुन ॥ या धातियातानां अत्यायु ॥ यानि

घागयाहायारुलनकन, आयुवशुनरुमदत ॥ अदयादानंशु अरुग
 इदाविदता ॥ भवयाविषयनं दानयादानं नयमदसां नोमनदरुन ॥
 कामसिध्दावाजशु यमुगुहनयायायायनरुनकन ॥ वियराया सुयुगुमि
 विथागता ॥ मगहाकजागवं कायवं विथागरुयिव ॥ मृषावादाशु अवय
 ननं इहदावविमुनारुल ॥ असुखर्विज्ञायायायायनकन त्वलनकंविह

यायुव ॥ यिणुनाशु ॥ कायज्ञायायायनकन ॥ मिगुरुद कलरुवियलि ॥ त्वा
 ववविनाध कलरुआयदारुल लायुव ॥ यात्रुयाशु अमनाह्लाशु इनग
 न् ॥ भवमययाथं नानववनवियायायायकन मनसुखमदसां लाकन
 निवनायायुव ॥ असुरिनयजायाशु अनादयश्वाकन लाकवुरिनरुल
 ॥ भवहाययाहखज्ञायाकन दनयववनमइ लाकवकवहयिव ॥ अवि

शाश्वतज्ञानमखरुल ॥ अग्र्यान् या कर्तुं ज्ञानदम्यं न ऊलशयव ॥ व्यायादात्मी
वधद्विषमादिना ॥ मवस्यामरालयानं तव क्तानं वदभाहाइव ॥ मिथ्यादृष्ट
नीवदीनजाति हत्यकिहर्ल ॥ मिथ्यादृष्टिया कर्तुं तव क्तानं हीनजातिस
जामलयीव ॥ तस्मात्तदेषाकुसलयत्रितयित्वा वतवभयत ॥ धूमिनिमि
हिनं जिताश्रुकृष्णताजगर्वी शीवसुखानादवीयावतवभयलयरुने धनम्

नियनिस्यन ॥ समन्तारुजं रुदकं ग्रायार्यायाधायं दष्टादिष्णकधापुस
नियतिता ॥ एकमनयाकारं एष्टिआयार्य डयाधायं दसदिगुलाकवा
कुसवाग्नं वृद्धा एगवना वाधिसत्वध मुदममूकनामावृद्ध धर्मसद्यम्
सवधगच्छामि ॥ तथागतदकां वाधिसत्वदकां धरुप्रजियनि थवश्ना
माद्रिथदाव वृद्धधर्मसंयस्क जियनिनकलस्यनं वनागं ॥ पुनजयनं

समन्वाहयन्तुं रुदन्तां समस्तगुणवृद्धवाधिसत्त्वेषु ॥ रुतांभवस्वज्ञाया
नकमनयाह ॥ रुदन्तां समस्तगुणवृद्धवाधिसत्त्वेषु ॥ रुतांभवस्वज्ञाया
यिनेनो ॥ मासववूनयाह ॥ रुदन्तां समस्तगुणवृद्धवाधिसत्त्वेषु ॥ रुतांभवस्वज्ञाया
मंत्रनायसकप्रनाकदकां रुदन्तां समस्तगुणवृद्धवाधिसत्त्वेषु ॥ रुतांभवस्वज्ञाया
प्रसू ॥ मयायायकं कर्मरुतं ॥ रुदन्तां समस्तगुणवृद्धवाधिसत्त्वेषु ॥ रुतांभवस्वज्ञाया

काजितं वा जन्मादितं तत्सर्वं न कश्चिद्विभ्रियित्वां पुलायित्वां ॥ भवयाव
कात्रयत्तं कालयाध्वं न ध्याय्यदकां कलयात्तस्य न द्विदयनयाहाव
ग्वं न सूनकादं कालयाध्वं ॥ श्रीवसुधाजाय ४ गुणगुन वृद्ध वाधिसत्वा
स्थानिकं सर्वयार्थं यतिदक्षयामि जाननस्मत्तं यतिद्विदयामि ॥ श्रीवसु
धाजाय कृद्वनयाहाव समस्त गुन वृद्ध वाधिसत्त्वसकं कृद्वनयाहाव ५

नमस्तुभ्यं यायं गुरुनया दार्वं दक्षलया आवजनयायं महवसिचय
 भा धर्मजिनसमनयेश्वरा आवनलिधृतियायं दिनतात्रतेश्वरा समवा
 दल यथागं ननुद्वर्गं कथमयीसमादक्षं नकमनयाद न गथां श्रव
 द्वा न गथा धनयेश्वरा सध्यानवह्निगामिनिमिवा गुरुवत्तेश्वरजिन
 वक्रवालितुला श्वगिनयमतव नामतव श्वमतव वि विकनमतव व

मययेश्वरायं कथं यावर्गद्विर्वा अथवा यावत्तत्रागिगामिनि यावत्तमयद
 तात्र तावत् ॥ गथा गृयाता जिनवदल यथा न अधिमा थनया जागुद्वन द
 व कनमयासूर्य मनुगा न श्रवणा शीवसूत्रायावत् नकागमनस्यर्न समा
 धात्रयत् ॥ शीवसूत्राया वत् नकावितर्न नकमनमाद न धनयेश्वरा य
 र्यनामो ॥ ॥ उं वसुधावामधु यवत्तस्कायाय यवत्तस्कायाय ॥

सर्वविद्यानुसावयहं ॥ **स्नानमशुलदुयर्कवाय ॥** शीवसुनालेस्नाहा ॥ **हं** शीव
 सुधाग्राधानधीयस्नाहा ॥ **हं** शीवसुधानधीयास्नाहा ॥ **दधुम ॥** शीवंधनसागले
 निर्घोषाय तथागताय वडयूर्ययुनियकस्नाहा ॥ **थवन ॥** **हं** शीआर्यवनाकि
 तंश्रयाय वडयूर्ययुनियकस्नाहा ॥ **खवम ॥** **हं** शीआर्यवडयानय वडय
 र्ययुनियकस्नाहा ॥ **जवन ॥** **हं** शीलादवीय वडयूर्ययुनियकस्नाहा ॥ **हव**

१७ वडयूर्ययुनियकस्नाहा ॥ १८ वडयूर्ययुनियकस्नाहा ॥
 १९ वडयूर्ययुनियकस्नाहा ॥ २० वडयूर्ययुनियकस्नाहा ॥

न ॥ **हं** शीकुलकन्यायस्नाहा ॥ **खवकानम ॥** **हं** शीरु४र्षखयालनागनाजाय
 स्नाहा ॥ **उवकनम ॥** **थुनिदधुमनदनम ॥** शीयुकायिस्नाहा ॥ **खवकाथुकनम ॥** **हं**
 शीसुगुकायिस्नाहा ॥ **खवधकनम ॥** **हं** शीसनसुनिधियस्नाहा ॥ **उवधधुकनम ॥**
हं शीवावुकाकायिस्नाहा ॥ **उवकाथुकनम ॥** **दधुमरुन ॥** **हं** शीमानिरुदायस्ना
 हा ॥ **हवन ॥** **हं** शीयुधरुदायस्नाहा ॥ **खवम ॥** **हं** शीधनयायस्नाहा ॥ **थवन ॥**

डंष्टीर्वेशमनाय स्वाहा ॥ **जवस** ॥ डंष्टीविविंकुलिनस्वाहा ॥ **खवकाथुकुनस** ॥ डं
 ष्टीकालिमालिनस्वाहा ॥ **खवथथुकुनस** ॥ डंष्टीमुखद्वयस्वाहा ॥ **उवथथुकुनस** ॥ डं
 ष्टीवलद्वयस्वाहा ॥ **जवकाथुकुनस** ॥ डंष्टीनिधानाय स्वाहा ॥ डंष्टीनिधानाय स्वाहा ॥
 ॥ **अथथर्व** ॥ ष्टीमहात्मिस्तुतानिवाणिनिय वरुपूर्यापतिर्यकस्वाहा ॥ **दथर्म** ॥ **वैव**
वाहनपूजा ॥ डंष्टीवसु ॥ **स्वान** ॥ डंष्टीवसु ॥ **वत** ॥ डंष्टीवसु ॥

मि २
 हा ॥ **आक्रम** ॥ डंष्टीवसुधालिनी स्वाहा ॥ **धुनि** ॥ डंष्टीवसुधामालिनीय स्वाहा ॥ **मग**
 ॥ डंष्टीवसुमतिविधिय स्वाहा ॥ **ताय** ॥ **गुति** ॥ कल्याणनविधिनां यविवैमानां याधा
 लयाविधिनेनल सुवर्णमयापूरुषकाशुर्वनं मरुसवसर्वं तामसर्वलाकडनतिष्ठ
 धमासिरुक् ॥ **कलसिग** ॥ रुगवतिवसुधाला श्रीवृषविर्गुवनादाकर्मयत् ॥
 डंष्टीयैकालिधनकालि धानकालि आगच्छागच्छु स्वाहा ॥ **कनस्यमकुलदात**
 अंरुमलकलदाय स्वाहा ॥ २ ॥ १॥ **क्रिसियामकु**

ॐ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ २५ ॥

॥ विष्णुसहस्रनाम ॥

५॥
 गानकाय ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 वनतय ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 कावक लक्ष्मीसिद्धि वलयदा ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 हासमयस्वादा ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 त्रियुक्तस्वादा ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

अथ वाच्य ॥ अंकुशकाचितमनमादिमधमविलम्बकूलमधममयाथकाचितयच्चतत्समम्
माशयवतेसुखनरुदय ॥ अं उर्वशुक्रद्वयतिनिष्पादनिहानपतगजमानसुभायनातायतनधनलेकिनेता

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

रुद्रात्रकाय, तत्र न क म नाय, अथ यति यद्व सादा ॥ नियुक्त हाल खान, द्रु न म म
 वय क ॥ उं न मा न ल ग या यं ग न डि वे मं न कृ णि ह ल क र्ण दि वा नृ य, शी व सु धा
 न, द म णि र्व कालि, णा रि कालि, यू र्ठि कालि म २ का य सि धि क ष लै सा दा ॥ २१ ॥
 वं कृ य हा ल यु डा ॥ यति ॥ न म सु मु म हा द वि, स न्न सि धि य दा यी नी, न म गं मु म
 हा ल क्री, व म धा ल न्नि मा मु गं ॥ ७ ॥ सा दा काल वा, दा य क ॥ उं शी म य नृ य हा ल

॥ डंणी दिव्य नृप स्वाहा ॥ डंणी दिव्य नृप स्वाहा ॥ डंणी सुनृप स्वाहा ॥ डंणी हान नृप स्वा
हा ॥ डंणी पुलाय लमि नृप स्वाहा ॥ डंणी वडस लदय स्वाहा ॥ डंणी सुरद स्वाहा ॥ डं
सुरद मति स्वाहा ॥ डंणी मंगल स्वाहा ॥ डंणी आन स्वाहा ॥ डंणी व २ स्वाहा ॥ डंणी
वल स्वाहा ॥ डंणी अय लय ल स्वाहा ॥ डंणी उद्यान निर्माहा ॥ डंणी उद्द निर्मा
हा ॥ डंणी समवति स्वाहा ॥ डंणी समवति स्वाहा ॥ डंणी धनवति स्वाहा ॥ डंणी धा

नवति स्वाहा ॥ डंणी २ मति स्वाहा ॥ डंणी यरु मति स्वाहा ॥ डंणी पुल स्वाहा ॥ डंणी विम
प्र स्वाहा ॥ डंणी ललु मे स्वाहा ॥ डंणी मय स्वाहा ॥ डंणी मलना सनि स्वाहा ॥ डंणी
सुनृप सप्र स्वाहा ॥ डंणी अननष्ट स्वाहा ॥ डंणी विननष्ट स्वाहा ॥ डंणी धिननष्ट स्वाहा
॥ डंणी दिव्य कसि स्वाहा ॥ डंणी धु धमिल स्वाहा ॥ डंणी दिव्य त्रिभु स्वाहा ॥ डंणी विष्णु
द्व नृप स्वाहा ॥ डंणी आव सनि स्वाहा ॥ डंणी आव सनि स्वाहा ॥ डंणी प्रद्व नृप स्वाहा ॥

ॐ धी यरं क न स्वाहा ॥ ॐ धी शुभा र्चा क स ज हूं वं हूं ४ ॐ ह्रीं मि त्रि य व र्ग नि स्वाहा ॥ ॐ
धी य व स नि स्वाहा ॥ ॐ धी नृ नृ म म स्वाहा ॥ ॐ धी मि मि म स्वाहा ॥ ॐ धी धू धू म स्वाहा ॥ ॐ
धी त न त न स्वाहा ॥ ॐ धी र व स म स्वाहा ॥ ॐ धी त त न स्वाहा ॥ ॐ धी त ल य रु म र ग व १२
वि द गि व स धा ला ना म धा र नि म हा ल का व ल गु र्गि क लि य स्वाहा ॥ ॐ धी व ड
व ड य स्वाहा ॥ ॐ धी मा हा व डी य म र्य स्वाहा ॥ ॐ धी श्रा व त नि य स्वाहा ॥ ॐ धी य

[illegible]

महागङ्गाष्टीस्वाहा ॥ डंष्टीमहासालमगिस्वाहा ॥ डंष्टीमहाथाष्टिमगिस्वाहा ॥ डंष्टी
सर्वजनवर्णकालिस्वाहा ॥ डंष्टीसर्वदृष्टानिकृकनिस्वाहा ॥ डंष्टीसर्वसर्वकविना
सिद्धरुद्रस्वाहा ॥ डंष्टीआगङ्गागङ्गासमयमनूयानस्वाहा ॥ यलियुधू ॥ डंष्टीव १३
सुप्रालिनियस्वाहा ॥ डंष्टीवसुप्रभस्वाहा ॥ डंष्टीवज्रधलसागलनिर्धामनध
गगायस्वाहा ॥ डंष्टीज्जलादवीयस्वाहा ॥ डंष्टीयज्ञनिधानायस्वाहा ॥ डंष्टीवज्रध

नायस्वाहा ॥ डंष्टीजलवायस्वाहा ॥ डंष्टीजखयालनागगाजायस्वाहा ॥ डंष्टी^{गुफा}मनाद
वियस्वाहा ॥ डंष्टीमगुगायस्वाहा ॥ डंष्टीववाकागायस्वाहा ॥ डंष्टीमलमगियस्वा
हा ॥ डंष्टीमनिरदायस्वाहा ॥ डंष्टीयुनरदायस्वाहा ॥ डंष्टीवनदायस्वाहा ॥ डंष्टी
वसवैदनायस्वाहा ॥ डंष्टीविक्रदलिनयस्वाहा ॥ डंष्टीकलिमालियस्वाहा ॥ डंष्टी
मुखदायस्वाहा ॥ डंष्टीवप्रदायस्वाहा ॥ डंष्टीमाहालक्ष्मीरुगवनिवासनियस्वाहा ॥

असिपूषासंकासीलाकनाथस्त्रयनी ॥ कामरूपधनः श्रीमान् कृष्णार्जुनमाम्यहं ॥

॥ **शक्रत्रय ॥** यं कृवाहवयुजाया ॥ **गुति ॥** रगवतिवसुभावाहनमृकितमा
मि ॥ गगनगतिमैतार्हं भावनुंतिर्यग्यानि असमगुननिधानं कायनं लक्ष्मक
टवहृजनधनसमुधिसागुनलवर्ष ॥ वलिमग ॥ **१४** डंष्टीवसुधाय ॥ **७७** मवलिगु
कृश्यस्वस्वाह ॥ दानयतधर्मशक्तिसगनयातिवाचा सातिवृत्तिकृत्स्नसक्तियसा
दा ॥ **यं ववाहवयुजा ॥ वसुधावाधाननिर्मवतविधिसमार्य ॥** **७७** रमंगवर्हव कु
- निष्ठाभित्तासत तावपूजासमुधिलक्षितः

वलिवियक ॥ डंष्टीवसुधालिनि डावि ५५४ स्वस्वदातिसर्वयकृषीसमगां
शीर्षागकृ २ ७७ मवलिगुकृ २ स्वस्वाहि २ धनधानाददाययसधनविधान
सिस्वादा ॥ **यं वयदावयुजा ॥** स्नानतन ॥ **गुतिमयय ॥** जताकृवा ॥ **विमडन ॥**
७७ डंष्टीवसुधावाहवतिवविधिसमार्य ॥ **७ ॥ ७७ ॥** सतिदृक्कृदनिमान ॥
तर्ह्ययुजाकृय ॥ दगुनिपूनदावदेव मशुलजायाय धनदाव धनमुनिन

मिद्वनववशक्तिगर्भं गुनमकुलधर्मदनकं वलितिविभूतडाव॥ वनकागाय
व वीतनवीना व धून कुरुयाव जाकावगय॥ वलमूनियनिस्थन गुन दया अनि
कृष्णं उनाययादा॥ कृष्णकुरुयालस्थन आसदयकारुनरु जावग॥ डिर्व
सागामिनिया जावगसर्गदयातन गावग॥ धीवसुधावा वतक्षदयेश॥ गव
गाधानसाजिवन वरुनयतावसान॥ मरुनसाधनया नागिवनडाव कनसय